



National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

अगस्त-सितंबर 2021



नाको
समाचार

अनुक्रमणिका

▶ आज़ादी का अमृत महोत्सव	05
▶ आज़ादी का अमृत महोत्सव में सहभागिता को समृद्ध करने के लिए एस.ए.सी.एस. द्वारा किए गए अनूठे हस्तक्षेप	08
➤ बिहार एस.ए.सी.एस.	08
➤ अरुणाचल प्रदेश एस.ए.सी.एस.	09
➤ जम्मू और कश्मीर एस.ए.सी.एस.	10
➤ मेघालय एस.ए.सी.एस.	11
➤ पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस.	12
➤ राजस्थान एस.ए.सी.एस.	13
➤ अंडमान और निकोबार एस.ए.सी.एस.	14
➤ तमिलनाडु एस.ए.सी.एस.	15
▶ राष्ट्रीय क्षमता वर्धन कार्यशाला-एस.बी.सी.सी. पैकेज	16
▶ नाको के टी.आई. संभाग के अंतर्गत संपूर्ण सुरक्षा रणनीति पर राष्ट्रीय परामर्श एवं परिचय कार्यशाला	17
▶ एस.ए.सी.एस. के परियोजना निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक	18
▶ राज्य में एच.आई.वी./एड्स प्रतिक्रिया को मज़बूती देने के लिए नाको द्वारा राजस्थान की एन.ए.सी.पी. इकाइयों का दौरा	18
▶ कार्यक्रमबद्ध प्रतिचित्रण एवं जनसंख्या आकार आंकलन (पी-एम.पी.एस.ई.)	19
▶ एक्सिलरेट परियोजना के अंतर्गत ट्रांसजेंडर जनसमूह द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के उद्ग्रहण को बढ़ाने के समकालिक प्रयास	20
▶ नाको एथिक्स समिति के सदस्यों के लिए एच.आई.वी./एड्स पर शोध के क्षेत्र में उत्तम क्लिनिकल प्रैक्टिसेस और एथिक्स पर प्रशिक्षण	21
▶ वर्ष 2020-21 में एन.ए.सी.पी. के कार्यान्वयन में राज्यों का प्रदर्शन	22

महानिदेशक की कलम से



प्रिय पाठकों,

नाको-समाचार के इस अंक में मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि भारत को आज़ाद हुए आगामी वर्ष में 75 वर्ष पूरे हो जाएंगे। निश्चय ही राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत काम कर रहे सभी कर्मचारियों का जन्म एक 'आज़ाद भारत' में हुआ है। हमारी पीढ़ी ने आज़ादी को पाने में लगे राष्ट्र के संघर्ष को न सिर्फ़ आँखों के सामने घट रही एक घटना के रूप में सुना और जिया है बल्कि देश में बदलाव की हर एक लहर को महसूस भी किया है। यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम आज़ाद भारत के इस ऐतिहासिक समय के साक्षी बन रहे हैं जब देश दिन-प्रतिदिन आर्थिक-विकास के नए आयामों को छू रहा है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का उत्सव मनाने हेतु सम्पूर्ण देश में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' अभियान मनाया जा रहा है। विगत वर्षों में हम ज़मीनी तौर पर क्या-क्या बदलाव ला पाए और आने वाले वर्षों में हम अपने देश को कैसा देखना चाहते हैं, यह हम देश की युवा-पीढ़ी को इस अभियान के माध्यम से जोड़ कर सुनिश्चित कर सकते हैं। और तभी सही मायनों में हम 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के माध्यम से जन-जन तक पहुंच सकते हैं।

देश के हर एक नागरिक को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं दे पाने के प्रयास में भारत सरकार ने समय की मांग के साथ सभी संभव कार्यक्रमों की शुरुआत की है। इनमें से एक प्रमुख कार्यक्रम रहा, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, जिसने HIV के उन्मूलन के लिए पिछले तीन दशकों में भारत में विभिन्न गतिविधियों को क्रियान्वित किया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम जिस सक्रियता, क्षमता और पारदर्शिता से अपनी भूमिका निभा पाया है, यह हम सबके लिए एक कसौटी है और इस कसौटी पर पूरा उतरने के लिए नाको निरंतर प्रयासरत है। आज़ादी के इसी अमृत महोत्सव को मनाने के लिए पूरे देश से बहु-क्षेत्रीय भागीदारी देखी गई है। इस दृष्टिकोण में अपना योगदान करते हुए, नाको ने न्यू-इंडिया@75 अभियान के पहले चरण का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया है। इस अभियान कि शुरुआत करते हुए माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री मनसुख मंडाविया ने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 1.3 लाख से अधिक किशोरों और युवाओं के साथ अपने विचार साझा किए।

इसी मार्गदर्शन को आगे ले जाते हुए हम देश भर के अधिक से अधिक सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों में विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से HIV के विषय से जुड़े जागरूकता-अभियान चला रहे हैं। मुझे यकीन है कि न्यू-इंडिया@75 के सभी चरणों के द्वारा हम दस लाख से भी अधिक किशोरों और युवाओं को जागरूक कर पाएंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि नाको के इस जागरूकता-अभियान से जुड़कर इस पहल को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का हर संभव प्रयास करें।

स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें और कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते रहें।

आलोक सक्सेना
अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

संपादक की कलम से



प्रिय पाठको,

मैं नाको समाचार के इस अंक में आप सभी का स्वागत करता हूँ!

मैं आप सभी को बड़ी ही प्रसन्नता के साथ बताना चाहता हूँ कि नाको के नेतृत्व और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से, नाको ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले न्यूइंडिया@75 अभियान का पहला चरण आरंभ कर दिया है। न्यूइंडिया@75 अभियान इतने विशाल स्तर पर विद्यालयों और महाविद्यालयों के किशोरों और युवाओं तक पहुंचा है कि यह पूरे नाको परिवार के लिए निश्चय ही एक गर्व का दिन है। मुझे विश्वास है कि इससे युवाओं के बीच ओपन डिस्कशन के नए मार्ग खुलेंगे और वे एच.आई.वी., टी.बी. और रक्तदान से संबंधित मसलों के बारे में सही जानकारी से अवगत होंगे। मैं इस अवसर पर, कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए, भौतिक और वर्चुअल रूप में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्य स्तरीय अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

इन शब्दों के साथ, मैं आपका ध्यान पुनः इस तथ्य की ओर खींचना चाहता हूँ कि अब हमें दूसरे चरण के लिए भी पथप्रदर्शक बनना है। दूसरे चरण में गतिविधियों के फलदायी कार्यान्वयन के लिए, हम जागरुकता अभियान और रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित करेंगे जो एच.आई.वी./एड्स, ट्यूबरकुलोसिस और स्वैच्छिक रक्तदान की जागरुकता के प्रसार में एक प्रमुख मील का पत्थर सिद्ध होंगी, जिससे बहुत सारे संचार के उपक्रमों का सृजन होगा।

इन शब्दों के साथ, मैं आप सभी से कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करने का और इस रोग से लड़ने में हमारी सहायता करने का आग्रह करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. अनूप कुमार पुरी
उप-महानिदेशक, आई.ई.सी. एवं सी.एस.टी.
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने न्यूइंडिया@75 जागरुकता अभियान के पहले चरण का शुभारंभ किया

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 1.3 लाख से भी अधिक युवाओं से वर्चुअल माध्यम से बात की

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार की उपस्थिति में एच.आई.वी., टी.बी. और रक्तदान के जागरुकता अभियान का पहला चरण शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा किया गया था।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के प्रतीक के रूप में राष्ट्र भर में मनाए जा रहे आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विद्यालयों और महाविद्यालयों के 1.3 लाख से भी अधिक विद्यार्थियों के साथ वर्चुअल माध्यम से बात की। इन विद्यार्थियों को विभिन्न मंचों के माध्यम से जोड़ा गया था, जैसे की वर्चुअल कार्यक्रम सहभागिता लिंक (माइक्रोसाइट), फ़ेसबुक, यूट्यूब और ट्विटर। कार्यक्रम के दौरान एच.आई.वी., ट्यूबरकुलोसिस और थैलेसीमिया से प्रभावित तीन युवाओं ने बताया कि कैसे भारत सरकार की योजनाओं ने इन रोगों के विरुद्ध उनकी लड़ाई में उनका समर्थन किया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने देश भर के 1.3 लाख से भी अधिक युवाओं की सहभागिता पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, “स्वामी विवेकानंद स्वाधीनता-पूर्व के भारत में युवा शक्ति को पहचानने और उसे प्रोत्साहित करने वाले पहले व्यक्ति थे। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने युवाओं के लाभ के लिए कई योजनाएँ और संस्थान आरंभ किए हैं, जैसे कौशल विकास मंत्रालय और ‘खेलो इंडिया’ कार्यक्रम। उन्होंने यह बात दोहराई कि जब युवा कुछ करने की ठान लेते हैं, तो उसे हासिल करके ही रहते हैं। अधिकांश टी.बी. रोगी भी युवा पीढ़ी के आयु वर्ग में हैं। जब गाँव के युवा ठान लेंगे कि गाँव में टी.बी. का एक भी रोगी नहीं होगा, तो वे यह लक्ष्य अवश्य हासिल कर लेंगे।” उन्होंने जागरुकता फैलाने में उल्लेखनीय योगदान करने और रक्तदान शिविरों का आयोजन करने वाले सभी एन.जी.ओ. और सी.एस.ओ. को बधाई दी। श्री मंडाविया ने युवाओं को समझाया कि टी.बी. के उन्मूलन और एच.आई.वी. के संचरण की रोकथाम की दिशा में कार्य करना, सुरक्षा बलों में शामिल होने के बराबर है क्योंकि इन गतिविधियों में भी व्यक्ति

राष्ट्रहित में कार्य करता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने संपूर्ण राष्ट्र की जनता से अपील की कि वे हर किसी के लिए उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति का संकल्प लें और इस दिशा में साथ मिलकर कार्य करें।

माननीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) डॉ. भारती प्रवीण पवार ने अपने संबोधन में बताया कि किस प्रकार सरकार ने देश के युवाओं को जोड़ने और निर्णय लेने के अधिकाधिक मार्ग प्रदान करने के निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने यह पुरजोर आशा व्यक्त की कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाएगी। उन्होंने कहा, “सशक्त युवा हमारे नागरिकों को एक स्वस्थ और अर्थपूर्ण जीवन प्रदान करने के हमारे लक्ष्य की पूर्ति करेंगे। सभी को अच्छा स्वास्थ्य और कुशलक्षेम प्रदान करना सतत विकास लक्ष्य-3 का लक्ष्य है।” उन्होंने पुनः यह दृढ़तापूर्वक कहा कि ‘आज़ादी का अमृत महोत्सव’ एक पुनर्जीवित इंडिया 2.0 की शक्ति व सामर्थ्य को एक नया बल प्रदान करेगा।

श्री राजेश भूषण, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, सुश्री आरती आहूजा, अपर सचिव (स्वास्थ्य), श्री अलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक नाको और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

इसे एक सफल जन आंदोलन बनाने के लिए, विभिन्न हितधारकों जैसे आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों, एन.वाय.के.एस., एन.एस.एस., डी.जी.एच.एस.-सी.एच.ई.बी. और एन.टी.ई.पी. को एकजुट किया गया जिससे एच.आई.वी. एवं ट्यूबरकुलोसिस की रोकथाम और रक्तदान के संवर्धन के उद्देश्य से व्यवहार में बदलाव को प्रेरित करने के लिए विभिन्न माध्यमों जैसे विद्यालयों, महाविद्यालयों, महिला समूहों, एफ़.बी.ओ. और सी.बी.ओ. को सक्रिय करने में सहायता मिली है। नाको ने इस जागरुकता अभियान की पहुंच को अधिकतम करने के लिए टारगेटेड सोशल मीडिया जुड़ावों के उपयोग के माध्यम से डिजिटल मंचों का भी लाभ उठाया है। इस डिजिटल आंदोलन को एक कदम आगे ले जाने के लिए सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों ने सहभागिता दी है।



युवाओं में सब कुछ करने की ताकत है। भारत में सबसे पहले युवाओं पर भरोसा स्वामी विवेकानंद ने किया था। मेरा मानना है कि जब एक युवा अपने मन में ठान लेता है तो वो किसी भी परिस्थिति को बदल सकता है। मुझे यकीन है कि एक सामूहिक प्रयास से हम एच.आई.वी. और टी.बी. जैसी महामारियों से लड़ सकते हैं और जीत भी सकते हैं।



श्री मनसुख मंडाविया,
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री



युवाओं के साथ नाको का जुड़ाव अनुकरणीय रहा है जिसमें विद्यालय नहीं जाने वाले युवाओं, विद्यालय जाने वाले किशोर-किशोरियों और महाविद्यालय जाने वाले युवाओं को जोड़ा गया है। इसे आगे ले जाते हुए, भारत सरकार समाज के सभी वर्गों की समतापूर्ण सहभागिता की भी परिकल्पना करती है।



डॉ. भारती प्रवीण पवार,
माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय



हमें यह समझना होगा कि स्वास्थ्य के व्यापक छत्र के नीचे, किशोर और युवा कोई समांगी श्रेणी नहीं हैं; युवाओं की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। व्यापक सूचना एवं सेवा प्रदान करना—विशेष रूप से यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में एक सर्वोच्च प्राथमिकता है। न्यू इंडिया@75 विद्यार्थियों, किशोरों, युवाओं और अन्य हितधारकों को राष्ट्रहित में साथ मिलकर कार्य करने हेतु एक साथ लाने के लिए राज्यों को एक सर्वोच्च मंच प्रदान करता है। और मुझे यह बताते हुए खुशी है कि राज्य इन मंचों का उपयुक्ततम प्रयोग कर रहे हैं।



श्री राजेश भूषण,
सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

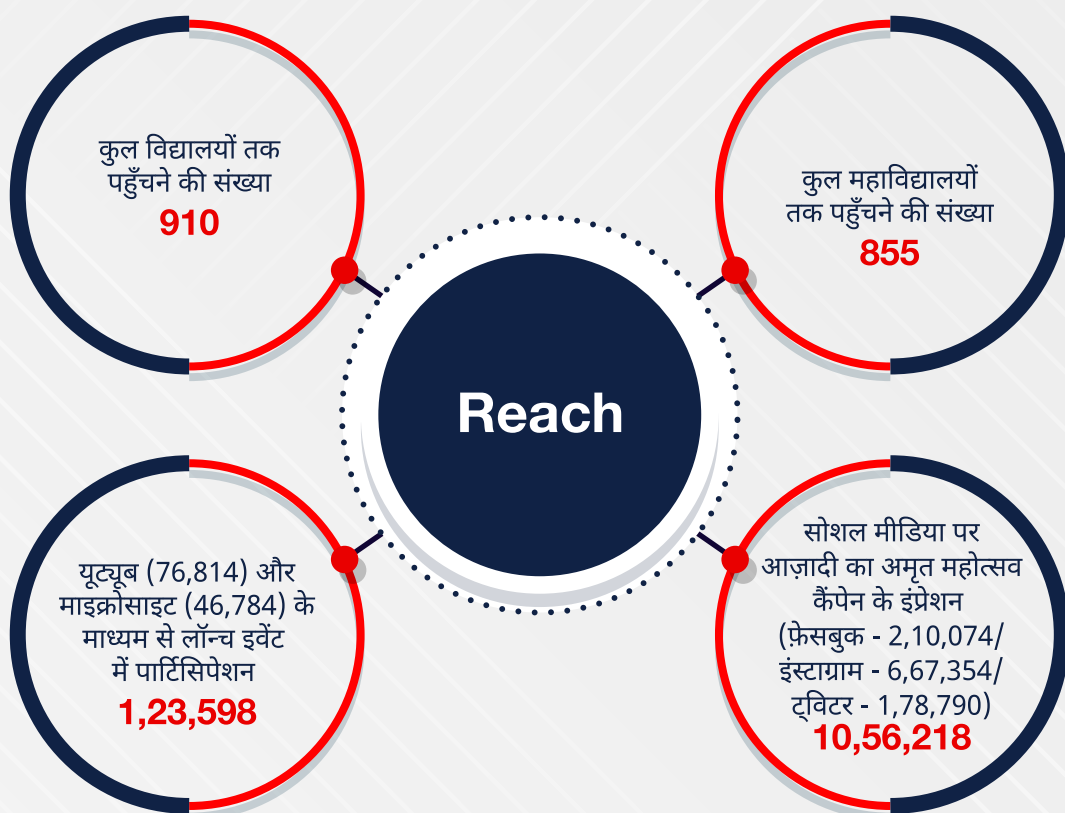


मैं सभी युवाओं से गुजारिश करना चाहता हूँ जो यहां मौजूद हैं और आपके माध्यम से, आपके साथियों और दोस्तों के द्वारा नई तकनीक को अपनाने, नवाचार को बढ़ावा देने, उन्नत बनाने, आधुनिकीकरण करने और नए भारत को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में योगदान करें।



श्री आलोक सक्सेना
अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको)

सतत विकास लक्ष्य 5 लैंगिक समानता और सशक्तीकरण प्राप्त करने के बारे में बात करता है। एक कदम आगे जाते हुए, सतत विकास लक्ष्य 5.6 'यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकारों की सार्वभौमिक सुगमता' को कवर करता है। एच.आई.वी./एड्स की व्यापक जानकारी रखने वाली 15-24 वर्षीय महिलाएं और पुरुष इसके उप-संकेतकों (5.6.3) में से एक हैं। यह गतिविधि एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरुकता का प्रसार करने की दिशा में बहुत आगे जाएगी और इस लक्ष्य की प्राप्ति को प्रेरित करेगी। जागरुकता का प्रसार केवल एच.आई.वी./एड्स तक ही सीमित नहीं होगा बल्कि इसमें ट्यूबरकुलोसिस, रक्तदान, लांछन और भेदभाव को दूर करना भी शामिल होगा और इससे युवा एवं किशोर इनफॉर्मड चोइसेस लेने में समर्थ बनेंगे।



आज़ादी का अमृत महोत्सव में सहभागिता को समृद्ध करने के लिए एस.ए.सी.एस. द्वारा किए गए अनूठे हस्तक्षेप

बिहार एस.ए.सी.एस.

01

न्यू इंडिया@75 अभियान के लिए
ज़िला नोडल अधिकारी नामित किये
गये



02

महाविद्यालय स्तरीय समितियों का
गठन किया गया

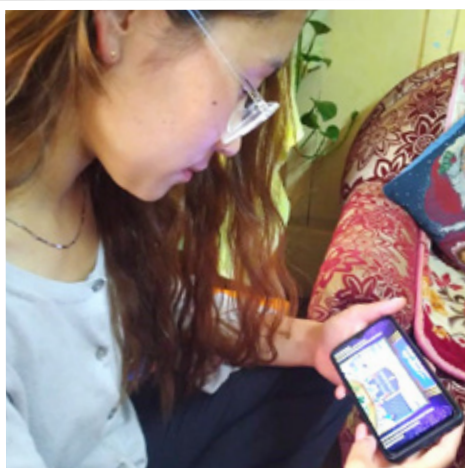


03

विभिन्न तरह की
जागरूकता-गतिविधियों का संचालन
किया गया तथा उनकी मीडिया कवरेज
की गयी



अरुणाचल प्रदेश एस.ए.सी.एस.



01

एस.ए.सी.एस., एन.टी.ई.पी. और राज्य रक्ताधान परिषद के सदस्यों को मिलाकर न्यू इंडिया@75 अभियान की कोर समिति का गठन किया गया

02

उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राज्य संपर्क कार्यालयों (एन.एस.एस.), डी.डी.के. ऑल इंडिया रेडियो, एन.वाय.के.एस. निदेशालय के सदस्यों और कोर समिति के सदस्यों को मिलाकर राज्य समिति का गठन किया गया

03

10 अगस्त, 2021 से महाविद्यालय स्तरीय रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आरंभ की गई

04

विद्यालय स्तर पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया



जम्मू और कश्मीर एस.ए.सी.एस.

01

जागरुकता अभियान की आवश्यकता पर ध्यान देते हुए सचिवालय स्तर के अधिकारियों और अन्य विभागों के प्रमुख सदस्यों को शामिल करके एक समिति का गठन किया गया

02

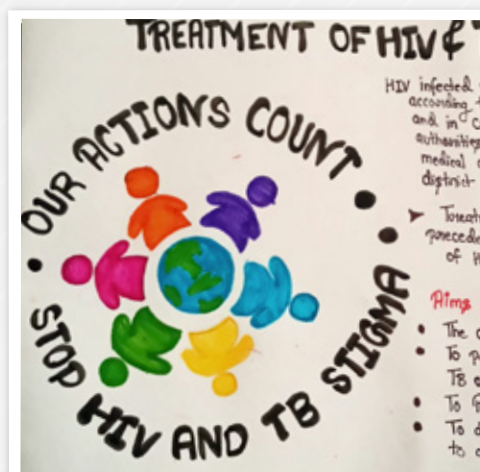
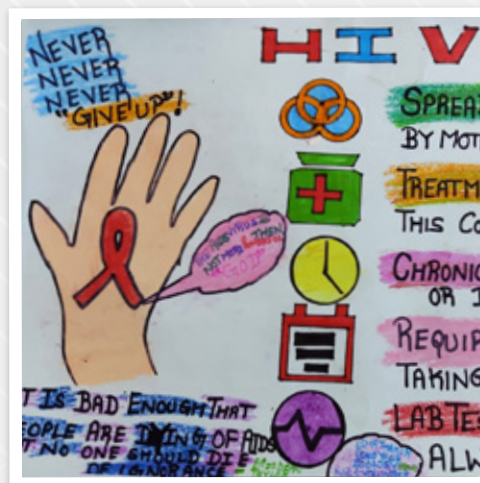
सक्रिय सहभागिता के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन, जम्मू और कश्मीर, और टी.आई. एन.जी.ओ. से स्वयंसेवियों को शामिल किया गया

03

समाचार पत्रों में गतिविधियों की कवरेज के माध्यम से जागरुकता का प्रसार किया गया

04

विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया



मेघालय एस.ए.सी.एस.



01

युवा एवं एच.आई.वी. विषय पर फ़ेस पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी

02

सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिभागियों का प्रचार किया गया

पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस.

01

विद्यालय स्तर पर पोस्टर बनाओ
प्रतियोगिताओं का आयोजन
किया गया



02

पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में
स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का
सुगमीकरण किया गया



03

91.2 एफ़.एम.
रेडियो पर लाइव
रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई
जिसमें विद्यार्थियों ने एच.आई.वी.
एवं टी.बी. से जुड़े स्टिग्मा यानी भय से
संबंधित, और स्वैच्छिक रक्तदान हेतु
योगदान देने की राह में आने
वाली बाधाओं से संबंधित
अपने अनुभव
बताए



राजस्थान एस.ए.सी.एस.



01

ज़िला स्तरीय बैठक सह
आर.आर.सी. पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम का
संचालन किया



02

उदयपुर स्थित मोहनलाल
सुखरिया विश्वविद्यालय में रेड रिबन
क्लब का उद्घाटन किया

03

विद्यालयों के सद्भावना दूतों के
लिए वर्चुअल उन्मुखीकरण कार्यक्रम



04

एच.आई.वी./एड्स: लांछन एवं
भेदभाव विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार
का आयोजन किया गया

अंडमान और निकोबार एस.ए.सी.एस.

01

एच.आई.वी. के विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया



02

लघु फ़िल्म एवं रील निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया



03

टी.बी. के विषय पर कोलाज बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया



04

रक्तदान के विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

तमिलनाडु एस.ए.सी.एस.



01

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन
किया गया



02

पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता
का आयोजन किया गया



राष्ट्रीय क्षमता वर्धन कार्यशाला-एस.बी.सी.सी. पैकेज

जयपुर, राजस्थान में 18 से 20 अगस्त, 2021 तक राज्य के आई.ई.सी. तथा टी.आई. अधिकारियों के लिए एस.बी.सी.सी. पैकेज के विषय पर एक क्षमता वर्धन कार्यशाला मिश्रित विधा में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको द्वारा किया गया और डॉ. नरेश गोयल, उप महानिदेशक (आई.ई.सी. व एम.एस.) और डॉ. शोभिनी राजन, उप महानिदेशक (टी.आई.) ने भी नए दौर के मीडिया के बारे में अपने विचार साझा किए और प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य एच.आर.जी. और ब्रिज जनसमूह के लिए विकसित किए गए एस.बी.सी.सी. पैकेज के उपयोग के संबंध में राज्य के आई.ई.सी. अधिकारियों और टी.आई. अधिकारियों की क्षमता का विकास करना और इस एस.बी.सी.सी. पैकेज की प्रसार योजना का अनावरण करना था। 19 राज्यों के प्रतिनिधियों ने स्वयं उपस्थित होकर इस कार्यशाला में भाग लिया और शेष राज्यों ने वर्चुअल ढंग से कार्यशाला में भाग लिया। वर्चुअल प्रतिभागियों की ओर से समान प्रतिभागिता हो यह सुनिश्चित करने और कार्यशाला को उत्पादक व आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण साधनों का उपयोग किया गया जैसे

नाटक, समूह कार्य, दल निर्माण के अभ्यास और कार्यपुस्तिका गतिविधियाँ।

नाको ने मुख्य जनसमूह, ब्रिज जनसमूह और सेवा प्रदाताओं के लिए एस.बी.सी.सी. पैकेज का विकास किया है। इस पैकेज में 97 अलग-अलग संचार सामग्री हैं जैसे टी.वी.सी., संक्षिप्त एनिमेटेड वीडियो, जी.आई.एफ., रेडियो जिंगल, कॉमिक स्ट्रिप, पोस्टर और फ़्लिप बुक आदि। यह पैकेज एच.आर.जी. और ब्रिज जनसमूह में जानकारी खोजी व्यवहार को बेहतर बनाने, कॉण्डोम के सही व एकरूप उपयोग को बढ़ावा देने, समुदाय आधारित स्क्रीनिंग समेत नियमित परीक्षण करवाने को बढ़ावा देने, ए.आर.टी. के पालन को सुगम बनाने, लांछन और भेदभाव घटाने और एच.आई.वी. तथा एड्स (निवारण व नियंत्रण) अधिनियम, 2017 को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।

इस बैठक के परिणामस्वरूप, राज्यों के लिए एक रणनीति दस्तावेज़ तैयार किया गया है जिसमें टी.आई., सी.बी.ओ. और अन्य साझेदारों द्वारा क्षेत्र स्तर की और अन्य आई.पी.सी. गतिविधियों के दौरान प्रयोग होने वाली विधाओं और माध्यमों की रूपरेखा दी गई है।



नाको के टी.आई. संभाग के अंतर्गत संपूर्ण सुरक्षा रणनीति पर राष्ट्रीय परामर्श एवं परिचय कार्यशाला

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने अपने एच.आई.वी. रोकथाम के प्रयासों को निरंतर मज़बूती देने के क्रम में, **संपूर्ण सुरक्षा रणनीति (एस.एस.एस.)** शुरू की है जो की एच.आई.वी. के “जोखिम में” माने गए व्यक्तियों को लक्षित सेवाएं प्रदान करते हुए द्वारा एच.आई.वी. के प्रसार को रोकने की परिकल्पना करती है। जो लाभार्थी एच.आई.वी., एस.टी.आई. और अन्य अवसरवादी संक्रमणों के जोखिम में हैं उन्हें सेवाओं का एक व्यापक पैकेज प्रदान करना एस.एस.एस. का एक मुख्य घटक है, जिसमें समय-समय पर परीक्षण और परामर्श सहयोग, अन्य कार्यक्रमों से जोड़ना, आउटरीच आदि शामिल हैं। सीधे आई.सी.टी.सी./डी.एस.आर.सी. में आने वाले क्लाइंट एस.एस.एस. पहल के प्रमुख लाभार्थी हैं।

नाको ने श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में और साथी और

चाय के सहयोग से 12 व 13 अगस्त, 2021 को एक राष्ट्रीय परामर्श का संचालन किया। उक्त परामर्श का लक्ष्य संपूर्ण सुरक्षा रणनीति को आकार देने के उद्देश्य से हितधारकों, जिनमें विशेषज्ञ, साझेदार, सिविल सोसाइटी और समुदाय के साथ संवाद के लिए एक मंच प्रदान करना था। परामर्श का संचालन मिश्रित विधा (भौतिक एवं वर्चुअल) में किया गया जिसमें 130 से भी अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। नाको, एस.ए.सी.एस., टी.एस.यू., यू.एन.ए.आई.डी.एस., यू.एस.आई.डी., सी.डी.सी., विश्व बैंक, डब्ल्यू.एच.ओ., साथी (एस.ए.ए.टी.एच.आई.आई.), प्लान इंडिया, एफ.एच. इंडिया, वी.एच.एस., एच.आई.वी./एड्स अलाइंस, आई.पी.पी.एफ़., पी.ए.टी.एच. इंडिया, आई-टेक इंडिया, पी.एच.एफ़.आई., यू.एन.आई.ओ.एन., और टी.आई.एस.एस. के वरिष्ठ अधिकारियों, बाहरी विशेषज्ञों और समुदाय के प्रतिनिधियों ने इस विचार-विमर्श में भाग लिया।



एस.एस.एस. कार्यान्वयन की अनुशंसाओं पर आधारित परामर्श बैठक का परिणाम तकनीकी विशेषज्ञों, साझेदारों और समुदाय के सदस्यों को मिलाकर बनाए गए एक तकनीकी कार्य समूह के गठन के रूप में भी मिला। यह अपेक्षित है कि **तकनीकी कार्य समूह** एस.एस.एस. की कार्यान्वयन आयोजना पर और राष्ट्रीय संचालन ढांचे को डिज़ाइन करने पर कार्य आरंभ करेगा।



परियोजना निदेशकों के साथ एस.ए.सी.एस. समीक्षा बैठक

राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के परियोजना निदेशकों और अधिकारियों के साथ नाको के अपर सचिव एवं महानिदेशक की अध्यक्षता में वेबेक्स नामक मंच पर 2 से 6 अगस्त, 2021 तक एक वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नाको के वरिष्ठ अधिकारियों, कार्यक्रम संभागों के राष्ट्रीय परामर्शदाताओं, परामर्शदाताओं और सहायक परामर्शदाताओं, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के परियोजना निदेशकों, तथा एस.ए.सी.एस. के अपर परियोजना निदेशकों, संयुक्त निदेशकों, उप-निदेशकों और सहायक निदेशकों ने भी वर्चुअल विधि से भाग लिया।

इस बैठक का आयोजन, जनवरी, 2021 में आयोजित पिछली राज्य समीक्षा बैठकों की निरंतरता में किया गया था; जनवरी में आयोजित बैठकों ने वित्त वर्ष 2020-21 की वार्षिक कार्य योजना को कार्यान्वित करते हुए कोविड-19 वैश्विक महामारी के आलोक में कार्यक्रम की उपलब्धियों की वर्तमान स्थिति और क्षेत्र स्तर पर राज्यों के सामने आई रुकावटों और चुनौतियों को समझने के लिए एक मंच का कार्य किया था। वर्तमान बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण पूर्व-परिभाषित कार्यक्रमबद्ध प्राचलों के आधार पर वर्ष 2021-22 में राज्य AIDS नियंत्रण सोसायटियों के प्रदर्शन पर फोकस किया।



राज्य में एच.आई.वी./एड्स प्रतिक्रिया को मज़बूती देने के लिए नाको द्वारा राजस्थान की एन.ए.सी.पी. इकाइयों का दौरा

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के क्षमता वर्धन की परिकल्पना करता है क्योंकि वे सभी राज्यों में एच.आई.वी./एड्स प्रतिक्रिया के गतिवर्धन की दिशा में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। इस पहल के अंतर्गत, डॉ. शोभिनी राजन, सी.एम.ओ. (एस.ए.जी.)

के नेतृत्व में एक दल ने एन.ए.सी.पी. के माध्यम से सेवा प्रदायगी से संबंधित मसलों और चुनौतियों और एच.आई.वी./एड्स संबंधी गतिविधि की प्रगति को बेहतर ढंग से समझने और जहां आवश्यक हो वहाँ सहयोग प्रदान करने के लिए 17 जुलाई से 19 अगस्त, 2021 तक राजस्थान का दौरा किया।

दल ने कोटपुतली, शाहपुरा और जयपुर शहर में स्थित विभिन्न एन.ए.सी.पी. इकाइयों का दौरा किया। इस दौरान, दल ने जिला स्वास्थ्य प्रशासन के मुख्य अधिकारियों, इकाइयों के स्टाफ, विकास साझेदारों और राज्य में कार्यरत समुदायों के साथ बातचीत की। हितधारकों के साथ हुई इस बातचीत में, एड्स की महामारी के उन्मूलन में सहायता के लिए 95-95-95 लक्ष्यों के अंतरालों को भरने पर ज़ोर दिया गया। उक्त चर्चा अग्रलिखित की गुणवत्ता में सुधार के द्वारा एच.आई.वी./एड्स प्रतिक्रिया के गतिवर्धन की रणनीतियों की पड़ताल पर केंद्रित थी: मुख्य जनसमूहों का परामर्श और उनकी

दुर्बलता का आंकलन, जो जनसमूह सेवाओं की प्राप्ति हेतु इकाइयों में आने में समर्थ नहीं हैं उन तक पहुँच-विस्तार सेवाएँ पहुँचाने की पद्धतियाँ, और सेवाओं का एकीकरण आदी। इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों की पूर्ति की प्रतिक्रिया में लगाए जा रहे संसाधनों के उपयुक्त समीकरण के लिए राज्य की विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत और एस.ए.सी.एस. के साथ कार्य कर रहे विकास साझेदारों के बीच आपसी सहयोग को और मज़बूती देने की आवश्यकता है।



प्रधान चिकित्सा अधिकारी, कोटपुतली सरकारी जिला अस्पताल, और राजस्थान एस.ए.सी.एस. के अधिकारियों के साथ नाको दल की वार्ता

कार्यक्रमबद्ध प्रतिचित्रण एवं जनसंख्या आकार आंकलन (पी.-एम.पी.एस.ई.)

पी.-एम.पी.एस.ई. वेब पोर्टल में आंकड़ा प्रविष्टि के लिए एस.ए.सी.एस. और टी.एस.यू. अधिकारियों का प्रशिक्षण और क्षमता वर्धन

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन वर्तमान में स्थलों के प्रतिचित्रण और भारत में मुख्य एवं 'जोखिम में' मौजूद जनसंख्या के आकार के आंकलन के लिए प्रतिचित्रण एवं जनसंख्या आकार आंकलन (एम.पी.एस.ई.) अभ्यास संचालित करने के चरण में है। इस अभ्यास

प्रत्येक राज्य के मुख्य समुदाय सदस्यों, तकनीकी सहायता इकाइयों (टी.एस.यू.) और विकास साझेदारों की सक्रिय संलग्नता के साथ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

पी.-एम.पी.एस.ई. के अंतर्गत नाको ने एकत्र सूचनाओं के डिजिटलीकरण की परिकल्पना की थी और तत्पश्चात आंकड़ा प्रबंधन की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए एक वेब आधारित पोर्टल का विकास किया क्योंकि इस संपूर्ण अभ्यास के अंतर्गत क्षेत्र से आंकड़ों का एकत्रण एक अत्यावश्यक गतिविधि है। पोर्टल के उपयोग की दक्षता और प्रभाविकता के आंकलन के लक्ष्य के साथ इस पोर्टल को केरल राज्य में प्रायोगिक रूप से आरंभ भी कर दिया गया है।

प्रायोगिक पोर्टल की सफलता और (पी.-एम.पी.एस.ई. के अंतर्गत) सूचनाओं के डिजिटलीकरण के संदृश्य की अनुरूपता में, नाको ने एस.ए.सी.एस. (एस.आई. एवं टी.आई.) और टी.एस.यू. के अधिकारियों के लिए 29 व 30 जुलाई, 2021 को वर्चुअल विधा के माध्यम से एक प्रशिक्षण और क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया था। इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य वेब पोर्टल के उपयोग की क्षमताओं में वर्धन करना और आंकड़ा प्रविष्टि एवं विश्लेषण की प्रक्रिया को और बेहतर बनाना था।



कार्यशाला में पी.-एम.पी.एस.ई. पोर्टल का उन्मुखीकरण, शामिल संरचना, और पोर्टल की विशेषताएं जैसे विषयों को कवर किया गया और वेब-पोर्टल पर कार्य करने की कार्यशाला के दौरान तात्क्षणिक अनुभव पर ज़ोर दिया गया। कुल 242 अधिकारियों को पी.-एम.पी.एस.ई. वेब पोर्टल के प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। यह परिकल्पित है कि कार्यशाला में प्रशिक्षित हुए प्रतिभागी एक “रिसोर्सज पूल” का कार्य करेंगे और यह अपेक्षित है कि वे अपने-अपने राज्यों में पी.-एम.पी.एस.ई. वेब-पोर्टल पर आंकड़ों के प्रबंधन के अंत उपयोगकर्ताओं के रूप में राज्य व ज़िला स्तरीय कार्यक्रम अधिकारियों और टी.आई. को प्रशिक्षण देंगे।

एक्सिलरेट परियोजना के अंतर्गत ट्रांसजेंडर जनसमूह द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के उद्ग्रहण को बढ़ाने के समकालिक प्रयास

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने ट्रांसजेंडर जनसमूहों हेतु व्यापक सेवा प्रदायगी के विषय पर नई दिल्ली में 23 से 27 अगस्त, 2021 के दौरान एक पांच-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस परामर्श का आयोजन यू.एस.ए.आई.डी. द्वारा किया गया और परियोजना एक्सिलरेट, जे.एच.यू. के अंतर्गत इसका कार्यान्वयन साझेदार थी। प्रशिक्षण का लक्ष्य तेलंगाना और महाराष्ट्र में स्थित ट्रांसजेंडर (टी.जी.) क्लीनिकों (जिन्हें मित्र क्लीनिक भी कहते हैं) के समस्त स्टाफ़ का क्षमता वर्धन करना था। प्रशिक्षण सत्र एच.आई.वी. सेवाओं के सातत्य में विभिन्न प्रकार के विषयों पर केंद्रित थे और इनमें टी.जी. जनसमूह की अन्य आवश्यकताओं पर ज़ोर दिया गया, जिनमें लिंग पुनर्निर्धारण शल्यक्रियाएं, हॉर्मोन चिकित्सा, एस.टी.आई. आदि शामिल हैं। सुकारकों में राष्ट्रीय और



वैश्विक स्तर के बाहरी विशेषज्ञ और एक्सिलरेट स्टाफ़ शामिल थे।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. भवानी सिंह, उप-निदेशक - टी.आई., नाको ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और ट्रांसजेंडर समुदायों की आवश्यकताओं व दुर्बलताओं पर ध्यान देने के संदृश्य के साथ और एच.आई.वी. प्रतिक्रिया में 95-95-95 के वैश्विक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एन.ए.सी.पी के लक्ष्यों और उद्देश्यों की अनुरूपता

में समुदायों और मित्र क्लीनिकों के स्टाफ़ की क्षमता का वर्धन करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने ट्रांस-जनसमूह के लिए लिंग अभिपुष्टि देखभाल (जी.ए.सी.) प्रदान करने हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक तृतीयक केंद्र स्थापित करने में नाको की पहल पर प्रकाश भी डाला।

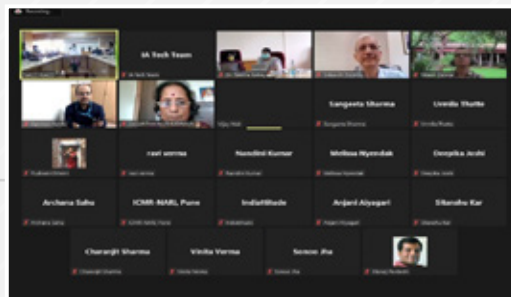


नाको नैतिकता समिति के सदस्यों के लिए एच.आई.वी./एड्स पर शोध के क्षेत्र में उत्तम नैदानिक परिपाटियों और नैतिकता पर प्रशिक्षण

शोध एवं मूल्यांकन, जो राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.सी.पी.) के अंतर्गत रणनीतिक सूचना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटक है, ने राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत सुस्थापित प्रक्रियाएं एवं प्रणालियां लागू की हुई हैं। शोध एवं मूल्यांकन का तकनीकी संसाधन समूह, और नाको नैतिकता समिति, नाको के भीतर शोध के पारितंत्र के स्तंभ हैं।

चूंकि नाको के अंतर्गत नाको नैतिकता समिति का हाल ही में पुनर्गठन किया गया है, अतः नैतिकता समिति के सभी सदस्यों के लिए एक दो-दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें एच.आई.वी./एड्स पर शोध के क्षेत्र में नैतिकता के सिद्धांतों, दुर्बल जनसमूहों में शोध संबंधित नैतिक विचारों, उत्तम नैदानिक परिपाटियों और नियामक दिशानिर्देशों आदि के मुख्य पहलुओं को कवर किया गया।

नाको द्वारा “नाको नैतिकता समिति के सदस्यों के लिए एच.आई.वी./एड्स पर शोध के क्षेत्र में उत्तम



नैदानिक परिपाटियों और नैतिकता पर प्रशिक्षण”

का आयोजन आई.सी.एम.आर.-एन.ए.आर.आई., पुणे के माध्यम से सी.डी.सी.-डब्ल्यू.एच.ओ. के सहयोग के साथ 13 से 14 सितंबर, 2021 के दौरान वर्चुअल मंच के ज़रिए किया गया। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको) ने उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य संबोधन प्रस्तुत किया और अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। नाको के वरिष्ठ नेतृत्व, सभी नाको नैतिकता समिति सदस्यों, विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठ विशेषज्ञों और साझेदार प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

वर्ष 2020-21 में एन.ए.सी.पी. के कार्यान्वयन में राज्यों का प्रदर्शन

पृष्ठभूमि:

राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर रणनीतिक सूचनाओं का प्रभावी उपयोग, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की अनेक सफलताओं में से एक है। अब हम सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए और वर्ष 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स को समाप्त करने के लिए 'कदम उठाने के दशक' में हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न निगरानी तंत्र हैं जो इस दिशा में विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं। मौजूदा तंत्र के

साथ-साथ, 'राज्यों का स्कोरकार्ड' नामक एक नया तंत्र आरंभ किया गया है।

एस.ए.सी.एस. का स्कोरकार्ड का उद्देश्य राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्दिष्ट विभिन्न संकेतकों पर राज्य की समग्र तस्वीर प्रदान करता है। इससे एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत परिभाषित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अधिक केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की बड़ी तस्वीर भी मिलती है।

प्रदर्शन रेटिंग की विधि:

अग्रलिखित में से विभिन्न सेवा श्रेणियों में कुल 28 संकेतकों का उपयोग किया गया है: इंफॉर्मेशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन (आई.ई.सी.), टारगेटेड इंटरवेंशन (टी.आई.), बेसिक सर्विसेस (बी.एस.), केयर सपोर्ट एंड ट्रीटमेंट (सी.एस.टी.), लेबोरेटरी सर्विसेस (एल.एस.), स्ट्रेटेजिक इनफार्मेशन (एस.आई.), फिनान्स एंड सप्लाय चैन मैनेजमेंट (एफ़.एस.सी.एम.), वित्त वर्ष 2020-21 के कार्यक्रम आँकड़े; और सभी संकेतकों को समान भारिता दी गई है।

कार्यक्रम की आवश्यकताओं के आधार पर, अलग-अलग संकेतकों पर प्रदर्शन को 5 श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

- उत्तम - 3 अंक
- औसत - 2 अंक
- खराब - 1 अंक
- कार्यान्वित नहीं - 0 अंक
- लागू नहीं - भाजक में कोई अंक जोड़ा नहीं गया

1. एच.आई.वी. की रोकथाम और देखभाल सातत्य के संपूर्ण विस्तार में शीर्ष 10 राज्य

संकेतक	चंडीगढ़	गोआ	गुजरात	हिमाचल प्रदेश	केरल	मेघालय	मुंबई	पांडिचेरी	पंजाब	सिक्किम
आई.ई.सी.										
सोशल मीडिया अपडेट की बारंबारता										
राज्य विद्यालयी पाठ्यचर्या में ए.ई.पी. एकीकरण की स्थिति										
एस.सी.ए. की स्थिति										
राज्य नियमों की स्थिति										
लोकपाल की स्थिति										
सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का उद्घाटन										
टी.आई.										
शामिल इकाइयाँ										
अनुबंध में दिए गए लक्ष्य की तुलना में कवरेज										
एच.आई.वी. के साथ जी रहे और ए.ए.टी. या रहे एच.आर.टी. एवं बी.पी.										
ओ.एस.टी. पर आई.डी.यू.										
लक्ष्य की तुलना में एच.आई.वी. परीक्षण - पी.डब्ल्यू.										
लक्ष्य की तुलना में एच.आई.वी. परीक्षण - जी.सी.										
जी.सी. के बीच साप्ताहिक परीक्षण										
6 सप्ताह से 6 माह के बीच आई.आई.टी. परीक्षण										
सामान्य क्लाइंट के उस 10% जिसे परीक्षण-पूर्व परामर्श मिला है, में से एन.टी.ई.पी. को देख कर किए गए सटीक टी.बी. मामलों का %										
लक्ष्य की तुलना में जी.एस.आर.सी. में प्रवर्धित क्लाइंट										
ए.आर.टी. का आरंभ										
नए ए.आर.टी. आरंभ के मामलों में एल.एफ.यू. की दर										
घावों में वायरल लोड परीक्षण										
बी.एल. ट्रैन दर										
एस.आर.एल. एन.ए.बी.एल. से प्रभावित										
पुनर्परीक्षण में आई.सी.टी.सी. की सहभागिता										
अधिकतम स्कोर	84	84	84	84	84	84	75	81	84	81
माध्यम स्कोर	58	58	57	58	57	57	51	56	59	59

2. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के विशिष्ट घटक के अंतर्गत शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र

इन्फॉर्मेशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन (आई.ई.सी)

संकेतक	अंडमान और निकोबार	असम	बिहार	छत्तीसगढ़	गुजरात	कर्नाटक	मेघालय	पंजाब	सिक्किम	उत्तराखंड
सोशल मीडिया अपडेट की बारंबारता										
राज्य विद्यालयी पाठ्यचर्या में ए.ई.पी. एकीकरण की स्थिति										
एस.सी.ए. की स्थिति										
राज्य नियमों की स्थिति										
लोकपाल की स्थिति										

संकेतक	अंडमान और निकोबार	असम	बिहार	छत्तीसगढ़	गुजरात	कर्नाटक	मेघालय	पंजाब	सिक्किम	उत्तराखंड
सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का उद्ग्राहण										
अधिकतम स्कोर	18	18	18	18	18	18	18	18	18	18
प्राप्त स्कोर	11	10	13	18	14	14	12	13	11	13

टारगेटड इंटरवेंशन (टी.आई.)

संकेतक	चंडीगढ़	छत्तीसगढ़	हिमाचल प्रदेश	जम्मू और कश्मीर व लद्दाख	केरल	मध्य प्रदेश	मणिपुर	पंजाब	तेलंगाना	पश्चिम बंगाल
शामिल इकाइयाँ										
अनुबंध में दिए गए लक्ष्य की तुलना में कवरेंज										
एच.आई.वी. के साथ जी रहे और ए.आर.टी या रहे एच.आर.जी. एवं बी.पी.										
ओ.एस.टी. पर आई.डी.यू.										
अधिकतम स्कोर	12	12	12	12	12	12	12	12	9	12
प्राप्त स्कोर	12	11	12	12	11	11	11	12	9	12

बेसिक सर्विसेज़

संकेतक	आंध्र प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश	चंडीगढ़	दिल्ली	गोआ	कर्नाटक	महाराष्ट्र	ओडिशा	पांडिचेरी	तेलंगाना
लक्ष्य की तुलना में एच.आई.वी. परीक्षण - पी.डब्ल्यू.										
लक्ष्य की तुलना में एच.आई.वी. परीक्षण - जी.सी.										
जी.सी. के बीच साझेदार परीक्षण										
6 सप्ताह से 6 माह के बीच ई.आई.डी. परीक्षण										
सामान्य क्लाइंट के उस 10% जिसे परीक्षण-पूर्व परामर्श मिला है, में से एन.टी.ई.पी. को रेफर किए गए संदिग्ध टी.बी. मामलों का %										
लक्ष्य की तुलना में डी.एस.आर.सी. में प्रबंधित क्लाइंट										
अधिकतम स्कोर	18	18	18	18	18	18	18	18	18	18
प्राप्त स्कोर	13	11	11	11	12	12	12	12	12	12

केयर, सपोर्ट एंड ट्रीटमेंट (सी.एस. टी.) एंड लेबोरेटरी सर्विसेज़

संकेतक	अरुणाचल प्रदेश	चंडीगढ़	गोआ	गुजरात	केरल	महाराष्ट्र	मिज़ोरम	मुंबई	पांडिचेरी	सिक्किम
ए.आर.टी. का आरंभ										
नए ए.आर.टी. आरंभ के मामलों में एल.एफ.यू. की दर										
पात्रों में वायरल लोड परीक्षण										
वी.एल. दमन दर										
एस.आर.एल. एन.ए.बी.एल. से प्रत्यापित										
पुनर्परीक्षण में आई.सी.टी.सी. की सहभागिता										
अधिकतम स्कोर	18	18	18	18	18	18	18	18	18	18
प्राप्त स्कोर	12	12	14	13	14	16	14	14	15	14

एक बेहतर कल के लिए आगे आएँ



अपर सचिव एवं महानिदेशक: श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक: सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक: डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.) नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकीय पैनल: डॉ. शोभिनी राजन (डी.डी.जी.) नाको, डॉ. भावना राव (डी.डी.) नाको, डॉ. ज्योतिका चीमा (परामर्शदाता), नाको, शेयर इंडिया टीम

नाको ई-न्यूजलेटर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का डिजिटल प्रकाशन है।

छठी और नौवीं मंजिल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36-जनपथ, नई दिल्ली – 110001 दूरभाष: 011-43509999, फ़ैक्स: 011-23731746

हमारी वेबसाइट पर जाएं: www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं उत्पादन: विजुअल हाउस, ई-मेल: tvh@thevisualhouse.in

आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कृपया अपना सुझाव हमें nacoindianews@gmail.com पर लिखें।

 @NACOINDIA

 @NACOINDIA

 @NACO_INDIA

 @NACOINDIA



Download NACO AIDS APP

Supported By | 